NEW TV LAW IN NEPAL AFFECTS INDIAN BROADCASTERS

Nepal on October 23 implemented a clean-feed policy in the country, making foreign television channels free from international advertisement. The policy implemented on October 23 by the Information and Communication Ministry of Nepal is expected to provide the domestic advertisement industry a boost. Similar to clean-feed policy is practiced in almost all advanced nations, where foreign TV channels are required to publish only domestic advertisements in order to cater to the domestic audience.

The policy has impacted mostly India channels, which dominate the Nepali television industry. Many channels have been taken down by the Ministry of Information and Communication due to their non-compliance with the policy. According to news agency ANI, a notice is flashing on the screen of foreign channels that have gone off-air in the country due to the newly-implemented policy. The notice informs about the provisions of the new policy, that was introduced last year and had a deadline of October 23.

Government of Nepal
Ministry of Communication and Information Technology
National Information Technology Center

The Clean Feed Policy had set a deadline of October 23, 2020, for all cable operators to make the arrangements for continued broadcast or block the broadcast of those channels failing to do so.

As a result, many of the foreign channels, dominantly Indian channels have been taken off the air. The new policy allows television signal distributors to replace advertisements in foreign television channels with local advertisements as practiced in most developed countries.

"Apart from a few exceptions, almost all of the foreign channels carry commercials made by multinationals and conglomerates for which Nepali viewers are paying monthly charges, while the domestic advertising industry is shrinking. Hence, the need for implementation of clean feed," states the policy.

As per policy, Nepali viewers pay Direct-to-Home Satellite Television service providers a monthly charge and are thus also exposed to foreign commercials. ■

नेपाल में नये टीवी कानून से भारतीय प्रसारक प्रभावित

नेपाल ने **23** अक्टूबर को देश एक स्वच्छ फीड की नीति लागू की, जिससे विदेशी टेलीविजन चैनल अंतरराष्ट्रीय विज्ञापन से मुक्त हो गये। नेपाल के सूचना व संचार मंत्रालय द्वारा **23** अक्टूबर को लागू की गयी नीति से घरेलू विज्ञापन उद्योग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लगभग सभी विकसित देशों में क्लीन फीड नीति लागू है जहां कि विदेशी टीवी चैनलों को घरेलू दर्शकों को पाने के प्रयास में सिर्फ घरेलू विज्ञापनों को प्रसारित करने की जरूरत है।

नीति ने अधिकतर भारतीय चैनलों को ही प्रभावित किया है, जो नेपाली टेलीविजन उद्योग पर हावी हैं। कई चैनलों को सूचना व संचार मंत्रालय द्वारा नीति का अनुपालन नहीं करने के लिए ऑफ एयर कर दिया गया है।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार नयी लागू नीति के कारण देश में ऑफ एयर हो चुके चैनलों की स्क्रीन पर एक नोटिस फ्लैश हो रहा है। नोटिस में नयी नीति के प्रावधानों के बारे में बताया गया है जिसे पिछले साल पेश किया गया था और इसकी समयसीमा **23** अक्टूबर थी।

क्लीन फीड नीति ने सभी केबल ऑपरेटरों को निरंतर प्रसारण की व्यवस्था करने या करने में विफल रहने वाले चैनलों के प्रसारण को रोकने के लिए **23** अक्टूबर की समयसीमा निर्धारित की थी।

परिणामस्वरूप कई विदेशी चैनलों, प्रमुख रूप से भारतीय चैनलों को प्रसारण से हटा दिया गया है। नयी नीति से टेलीविजन सिगनल वितरकों को अधिकांश विकसित देशों में स्थानीय विज्ञापनों के साथ विदेशी टेलीविजन चैनलों में विज्ञापनों को बदलने की अनुमति मिलती है।

नीति में कहा गया है कि 'कुछ अपवादों के अलावा, लगभग सभी विदेशी चैनल बहुराष्ट्रीय कंपनियों और कंगलोमेरेट द्वारा बनाये गये विज्ञापनों को प्रसारित करते हैं जिसके लिए नेपाली दर्शक मासिक शुल्क दे रहे हैं, जबकि घरेलू विज्ञापन उद्योग सिकुड़ रहा है। इसलिए स्वच्छ फीड के कार्यान्वयन की आवश्यकता है।'

नीति के अनुसार नेपाली दर्शक डॉयरेक्ट-टू-होम सैटेलाइट टेलीविजन सेवा प्रदाताओं को एक मासिक शुल्क का भुगतान करते हैं और इस प्रकार विदेशी विज्ञापनों से भी अवगत कराया जाता है। ■